बहुत सारे बोज़ो

लिलियन मूर

चित्र: सुसान पर्ल

बहुत सारे बोज़ो

लिलियन मूर

चित्र: सुसान पर्ल

''माँ,'' डैनी ड्रेक ने कहा.

''क्या मुझे एक पालतू कुत्ता मिल सकता है?''

डैनी की माँ ने डैनी की तरफ़ देखा.

''डैनी ड्रेक,'' माँ ने कहा.

''तुमने मुझसे पिछले हफ़्ते भी यही सवाल पूछा था.

''और मैंने क्या कहा था?''

''नहीं,'' डैनी ने कहा.

''उससे पिछले हफ्ते भी तुमने मुझसे

यही सवाल पूछा था,'' उसकी माँ ने कहा.

''और मैंने क्या जवाब दिया था?''

''नहीं,'' डैनी ने कहा.

डैनी की माँ ने कहा, ''नहीं! मुझे माफ़ करना, डैनी.

हमारा घर एक कुत्ते के लिए बहुत छोटा है."

"लेकिन मेरे पास कुत्ते के लिए एक अच्छा नाम है,"

डैनी ने कहा. "मैं उसे बोज़ो बुलाना चाहता हूँ."

"नहीं, डैनी!" उसकी माँ ने कहा.

फिर डैनी समझ गया कि

अब उसके चुप ने का समय आ गया था.

डैनी खेलने के लिए पार्क की ओर भागा.

वह पूरी सुबह अपने दोस्त

पीट के साथ पार्क में खेलता रहा.

वे एक डाकू जहाज पर समुद्री डाकू

यानि पायरेट होने का नाटक कर रहे थे.

उसके लिए पार्क की

छोटी सी नदी बहुत मज़ेदार थी.

समुद्री डाकू अपने जहाज में

नदी पर ऊपर-नीचे घूमते रहते थे.
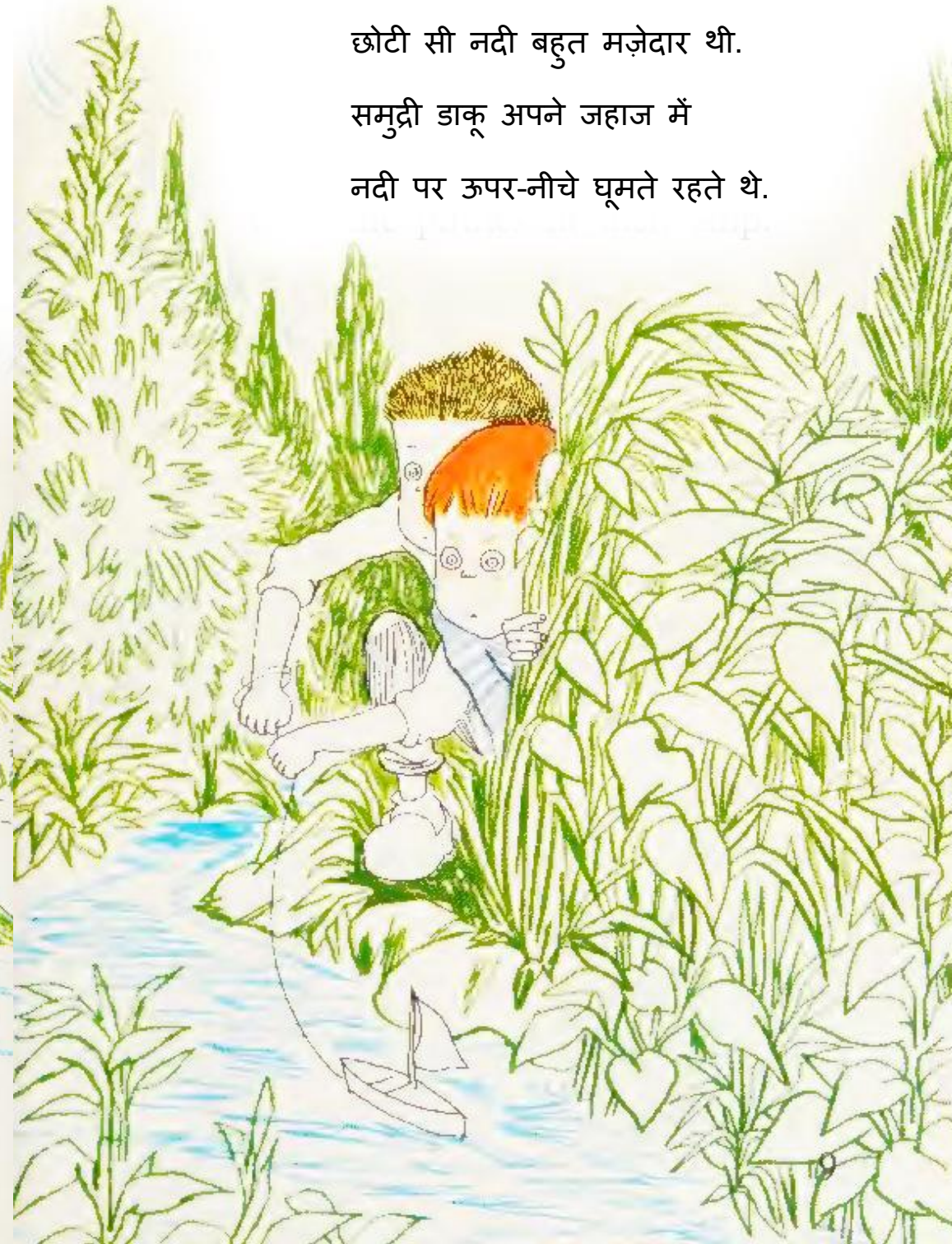
डैनी ने सबसे पहले एक छोटे मेंढक को देखा.

वो तुरंत उसे अपना पालतू मेंढक बनाना चाहता था.

पीट ने मेंढक पकड़ने में उसकी मदद की.

उन्हें एक डिब्बा मिला और उन्होंने मेंढक को उसमें रख दिया.

फिर डैनी मेंढक को घर ले गया.

"क्या बात है!" डैनी ने मेंढक से कहा.

"मुझे खुशी है कि मैं तुम्हें ढूँढ़ पाया.

तुम्हें देख माँ काफी हैरान होंगी!"

माँ हैरान रह गईं. डैनी ने मेंढक को ऊपर उठाया.

"अब मेरे पास एक पालतू जानवर है,"

उसने अपनी माँ से कहा.

"क्या तुम उसे हाथ में लेना चाहोगी?"

"नहीं, शुक्रिया," डैनी की माँ ने कहा.

"मैं अपने पालतू जानवर का नाम बोज़ो रखूँगा,"

डैनी ने कहा. "बोज़ो मेंढक."

"कृपया बोज़ो मेंढक को अपने कमरे में ही रखना,"

डैनी की माँ ने कहा.

डैनी ने बोज़ो मेंढक को अपने कमरे में रखा

और उसकी अच्छी देखभाल की.

उसने उसके लिए एक अच्छा घर बनाया

और उसे खाने के लिए मांस के टुकड़े दिए.

मेंढक कितना मज़ेदार था!

और वो कितना ऊंचा कूदता था!

पहले डैनी ने एक किताब नीचे रखी.

बोज़ो उसके ऊपर से कूद गया.

डैनी ने दो किताबें नीचे रखीं, फिर तीन.

पर बोज़ो उन सबके ऊपर से भी कूद गया!

एक दिन बोज़ो ने भी एक छलांग लगाई.

उस दिन कमरे का दरवाज़ा खुला था.

बोज़ो दरवाज़े से बाहर था.

कूदो! कूदो!

वह डैनी के कमरे से बाहर कूद कर गया.

कूदो! कूदो! कूदो!

वह इधर-उधर,

अब वो पूरे घर में कूद रहा था.
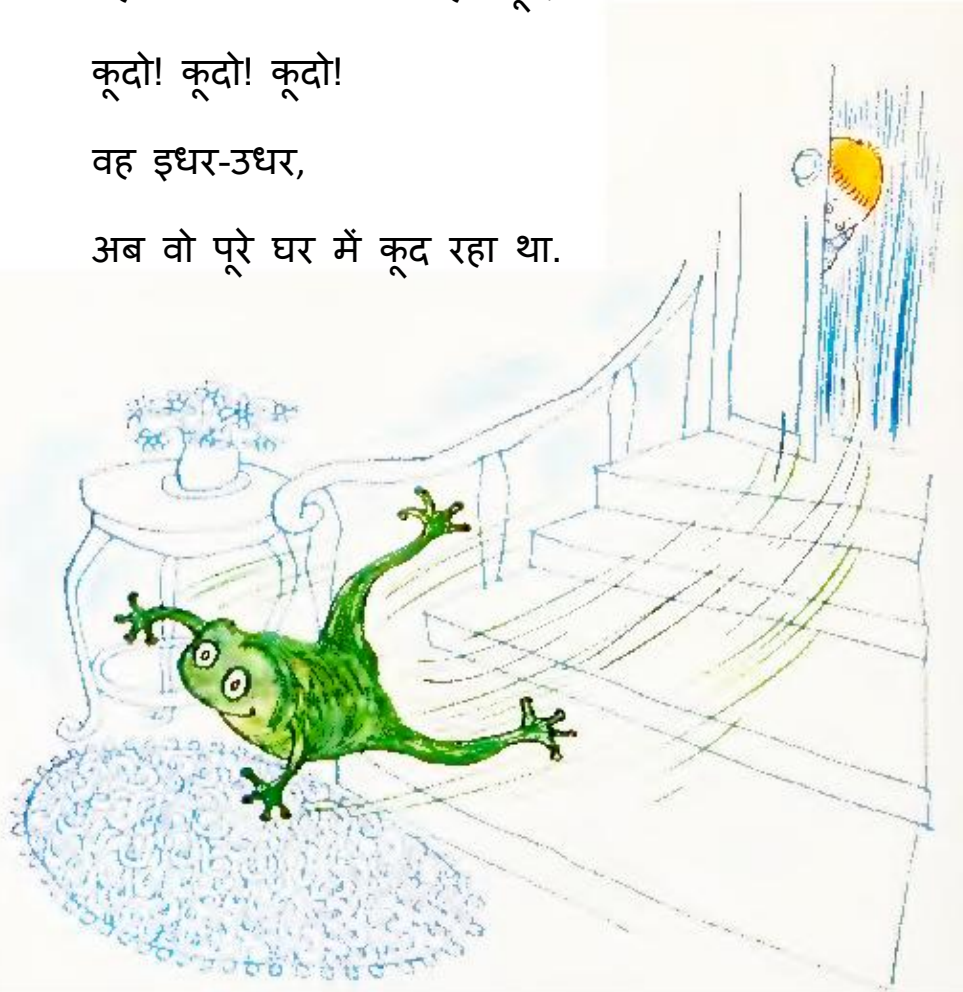
आखिरकार बोज़ो को सबसे अच्छी जगह मिल गई.

वह पानी वाली जगह थी.

इसलिए वह सीधे उसमें कूद गया.

अब वह रसोई के सिंक में था.

सिंक बर्तनों से भरा था.

वो बोज़ो की माँ के सबसे प्रिय हरे बर्तन में बैठ गया.

डैनी की माँ बर्तन धोने आईं.

बोज़ो को देखते ही माँ चीख पड़ीं.

बोज़ो इतना डर गया

कि वह सिंक से बाहर कूद गया,

ठीक डैनी की माँ की ओर!

"मेरे सिंक में वो मेंढक! उफ़!" माँ चिल्लाईं.

"डैनी तुम उस मेंढक को तुरंत घर से बाहर निकालो!"

दुखी होकर, डैनी ने बोज़ो को डिब्बे में डाल दिया

और वो पार्क की ओर वापस चल दिया.

रास्ते में उसकी मुलाक़ात अपने दोस्त बिली से हुई.

"देखो मेरे पास क्या है!" बिली ने कहा.

उसने एक छोटा सा पिंजरा ऊपर उठाया.

"देखो मेरे पास क्या है!" डैनी ने कहा.

उसने डिब्बा थोड़ा सा खोला.

और वहीं—दोनों ने अदला-बदली की!

बिली ने डिब्बा ले लिया और डैनी ने पिंजरा.

डैनी दौड़कर घर पहुँचा.

"अरे यार!" उसने मन ही मन कहा.

"मैं बिली से मिलकर कितना खुश हूँ.

क्या माँ हैरान नहीं होंगी!"

माँ हैरान रह गईं.

डैनी ने उन्हें दिखाने के लिए पिंजरा ऊपर उठाया.

"उसमें एक छोटा सा सफ़ेद चूहा था."

"यह मेरा नया पालतू जानवर है," डैनी ने कहा.

"मैं इसे बोज़ो बुलाऊंगा.

बोज़ो चूहा."
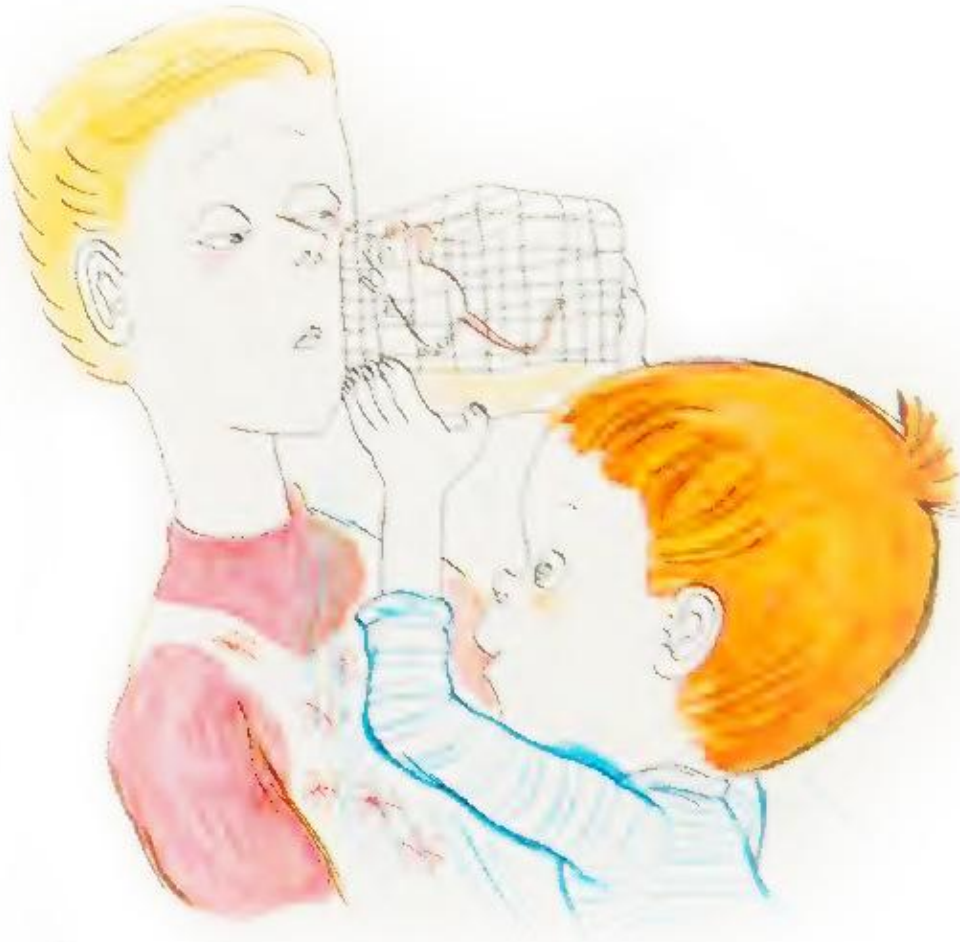
डैनी ने चूहे को बाहर निकाला और

उसने उसे अपने स्वेटर से लटकाया.

"देखो, माँ!" वह चिल्लाया. "देखो बोज़ो क्या करता है!

क्या आप उसे उठाना चाहोगी?"

"नहीं, शुक्रिया," डैनी की माँ ने कहा.

"और डैनी ड्रेक, उस चूहे को

अपने कमरे से बाहर मत निकलने देना!"

"बिल्कुल, माँ," डैनी ने कहा.

"बोज़ो चूहा सिंक में नहीं जाएगा."

डैनी ने बोज़ो चूहे की अच्छी देखभाल की.

उसने बोज़ो का पिंजरा साफ़ किया.

उसने उसमें खाना और पानी डाला.

वह रोज़ बोज़ो के साथ खेलता था.

बोज़ो चूहा सिंक में नहीं गया.

लेकिन एक सुबह वह अपने पिंजरे से बाहर निकल भागा.

वह डैनी के कमरे से बाहर निकला.

और फिर वह रसोई में चला गया.

सूंघ! सूंघ! बोज़ो चूहा बोला.

रसोई में अच्छी खुशबू फैली हुई थी.

डैनी की माँ ने अभी-अभी

बिग केक सेल के लिए एक केक बनाया था.

वह केक सेल के लिए ही था,

जब तक कि बोज़ो चूहे ने उसे नहीं देखा.

बोज़ो चूहे को वो केक बहुत पसंद आया.

जब डैनी की माँ ने अपने केक को गौर से देखा.

फिर वो चिल्लाईं, "मेरा केक!

ओह, मेरा प्यारा, प्यारा केक!"

फिर उन्होंने कहा, "डैनी ड्रेक, उस केक खाने वाले चूहे को

तुरंत घर से बाहर निकालो!"

दुखी होकर, डैनी ने बोज़ो चूहे को उसके पिंजरे में डाल दिया.

"बोज़ो चूहे को ले जाने के लिए सबसे अच्छी जगह,"

डैनी ने सोचा, "पालतू जानवरों की दुकान होगी.

क्योंकि बिली ने उसे वहीं से खरीदा था."

फिर डैनी बोज़ो को पालतू जानवरों की दुकान पर ले गया.

पालतू जानवरों की दुकान वाला सफेद चूहा वापस पाकर खुश हुआ.

डैनी और पालतू जानवरों की दुकान वाले ने

आपस में कुछ अदला-बदली की.

"उसमें क्या है?" माँ ने पूछा.

डैनी ने डिब्बा ऊपर उठाया.

"यह चींटियों का कॉलोनी है," डैनी ने उससे कहा.

"ये सारी चींटियाँ काम कर रही हो?

मैं उन्हें काम करते हुए और उन्हें

सब कुछ करते हुए देख सकता हूँ."

"चींटियाँ!" डैनी की माँ चिल्लाई,

"अब मुझे तो पूरे घर में

सिर्फ चींटियाँ ही चींटियाँ दिखाई दे रही हैं.

घर में कोई चींटियाँ नहीं, डैनी ड्रेक!

और मैं सच कह रही हूँ!"

"माँ." आखिरकार डैनी ड्रेक ने कहा.

"देखिए मुझे कोई न कोई पालतू जानवर तो चाहिए ही."

"हाँ," डैनी की माँ. "वो मैं पक्की तौर पर पता है!"

माँ ने डैनी को गले लगाया. "मुझे तुम्हारे लिए एकदम सही पालतू जानवर का पता है," माँ ने कहा.

"क्या वो मेंढक से बेहतर है?" डैनी ने पूछा.

"बहुत बेहतर," उसकी माँ ने कहा.

"क्या वो सफ़ेद चूहे से बेहतर है?"

"बहुत, बहुत बेहतर," उसकी माँ ने कहा.

"क्या यह चींटियों की कॉलोनी से बेहतर है?"

"हाँ, हाँ!" उसकी माँ ने कहा.

"बहुत, बहुत, बहुत बेहतर!"
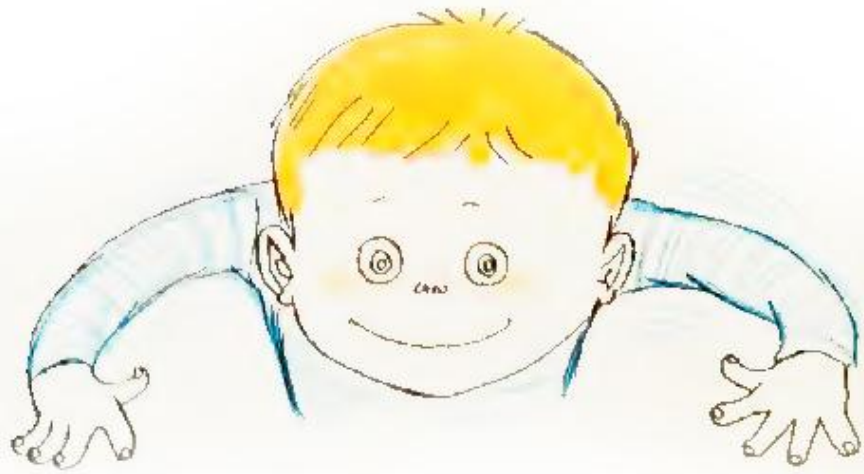
"डैनी ड्रेक," माँ ने कहा.

"तुम्हें कुत्ता कैसा लगेगा?"

"एक कुत्ता!" डैनी चिल्लाया. "एक कुत्ता!"

"एक छोटा कुत्ता," डैनी की माँ ने कहा,

"क्योंकि हमारा घर छोटा है. एक असली छोटा कुत्ता."

"अरे वाह!" डैनी चिल्लाया. "एक कुत्ता!

और देखो मैं उसे क्या नाम दूँगा."

"बोज़ो," डैनी ने कहा. "बोज़ो कुत्ता."

"बोज़ो!" डैनी की माँ ने कहा.

"कितने आश्चर्य की बात है!"